भा. कृ. अनु. प. केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसधान संस्थान करनाल में राज्य स्तरीय कृषक वैज्ञानिक संवाद वैबीनार का आयोजन

आज संस्थान के ओडिटोरियम में धान की पराली के प्रबंधन एंव हितधारकों के साथ,राज्य स्तरीय सीधा संवाद वैबीनार के माध्यम से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम को कृषि एंव किसाान कल्याण विभाग हरियाणा ने आयोजित किया। भा. कृ. अनु. प. – केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसधान संस्थान करनाल,चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविदयालय हिसाार व अन्तराष्ट्रीस मक्का एंव गेंहू अनुसधान करनाल केन्द्र भारत इस कार्यक्रम के सहसयोजक रहे।

संस्थान के निदेशक डा0 प्रबोधचन्द्र शर्मा ने मुख्य अतिथि माननीय जे. पी. दलाल, कृषि एंव कृषक कल्याण मंत्री हरियाणा सरकार का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। उन्होने संस्थान कि गतिविधियों कि जानकारी देते हुए बताया कि यह संस्थान देश में लवणीय एंव क्षारीय मृदा के सुधार हेतु पिछलें 50 वर्षों से शोध कार्य कर रहा है। देश में लगभग 67 लाख हेक्टेयर मृदाएं लवण एंव क्षारियता से प्राभावित है इनको सुधारने के लिए जिप्सम तकनीकी, भूजल निकास प्रणाली, ड्रिप सिचांई जीरों टिलेज तकनीको का का विकास किया है। जिनके कारण लगभग 20 लाख है, सुधारी जा चुकी है संस्थान ने गेंहू धान चना एंव सरसों की कई लवणसहनशील प्रजातियों का विकास किया है।

मुख्य अतिथि माननीय श्री जे. पी. दलाल जी ने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री जी का सपना किसानों कि आय दोगुनी करने का है किसानों को फसल की सही किमत मिलनी चाहिए। किसानों को पराली ना जलानी पडें इसके लिए बाजार में ऐसे उत्पाद बनाएं जाए जिनमें पराली का प्रयोग हो और पराली 300–350 रूपयें प्रति कविंटल बिक पाए। और अतिमं प्रयोग कर्ता को सस्ती पराली मिले। हरियाणा सरकार ने मशीनों में हैप्पीसीडर, सुपर सीडर मशीनों पर 50 से 80 प्रतिशत तक कि सबसिडी किसानों को दी है ताकि अधिक से अधिक किसान उन्हें खरीद सकें। उन्होने संस्थान की उपलब्धियों कि भी प्रशसां की। उन्होने सभी से पराली ना जलानें के शपथ भी दिलाई।

श्री विजय सिंह दहिया, आई ए एस, महानिदेशक, कृषि एंव परिवार कल्याण हरियाणा ने बताया कि हरियाणा सरकार ने 24705 मशीनें किसानों को सबसिडी पर उपल्बध करवाई है। गांव ब्लाक व जिला स्तर पर किसानों में जागरूकता बढानें पर गोष्ठीयां आयोजीत कि जाएगी। उन्होने हरियाणा सरकार द्वारा किसानों के हित में जारी कि गई योजनाओ कि जानकारी भी दी। उन्होने किसानों को मशीन किराए पर उपल्बध करवाने कि बात भी कही।

डा0 समर सिंह, कुलपति, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविदयालय करनाल तथा हरियाणा कृषि विश्वविदयालय हिसार ने मडुसी का ईलाज जीरो टिलेज से करने कि सलाह दी। उन्होने जीरो टिलेज के अन्य फायदें भी बताए। डा0 एम. एल जाट प्रधान वैज्ञानिक ,सीमीट ने कहा कि आज किसान पराली कि समस्या सें परेशान है इसलिए पराली का प्रबधनं करना बहुत जरूरी है। डा0 जी.पी. सिहं , निदेशक भारतीय गेंहू एंव जौ अनुसंधान संस्थान ने मशीनों की किमत कम करने पर जौर दिया ताकि छोटे किसान भी उनको खरीद पाए। उनके संस्थान में भी एक सस्ती व अधिक समय तक प्रयोग कि जाने वाली मशीन का अविष्कार किया गया है।

इस कार्यक्रम में सभी जिलों के केन्द्रों के 50–50 किसानों ने वैज्ञानिको से सीधे सवाल वीडीयों सम्मेलन के द्वारा पूछे व उचित समाधान प्राप्त किए। डा0 अदित्य प्रातप ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।